



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 125]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 3, 2001/वैशाख 13, 1923

No. 125]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 3, 2001/VAISAKHA 13, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

प्रारंभिक निष्कर्ष अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 2001

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से 2 एमएनआई के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारंभिक निष्कर्ष
सं. 9/1/2001-डीजीएडी.—भारत सरकार 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए ।

क. कार्य-पद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य-पद्धति अपनाई गई है:-

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के अधीन मै0 आरती ड्रग्स लिमि0, मुम्बई और मै0 यूनीकैम लैबोरेट्रीज लि0, मुम्बई से घरेलू उद्योग की ओर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए 2एमएनआई के पाटन का आरोप लगाया गया है ।

(ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर चीन जनवादी गणराज्य से 2एमएनआई के आयातों के विरुद्ध जांच आरंभ करने का निर्णय लिया । प्राधिकारी ने इन नियमों के उप-नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आवेदन के प्राप्त होने की सूचना भारत में चीन के दूतावास को दी

(iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के शीर्ष 2933.3909 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली के शीर्ष सं० 2933.3909 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन जनवादी गणराज्य के मूल के 2 एमएनआई के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करते हुए तारीख 8 फरवरी, 2001 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की । तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है ;

(iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) और उद्योग संघों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2)के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया ;

(v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भारत में 2एमएनआई के ज्ञात आयातकों को भेजी और उन्हें अपने विचार इस पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में देने की सलाह दी ;

(vi) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए 2एमएनआई के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया ;

(vii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार भारत में ज्ञात निर्यातकों और चीन जन० गणराज्य के दूतावास को याचिका की एक प्रति उपलब्ध कराई ;

(viii) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी ।

1. मै० हुआंगगैंग होंगी मैडिकल एंड कैमिकल इंडस्ट्री कं० लि०, चीन

(ix) नई दिल्ली में चीन जन० गण० के दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच आरम्भ होने की सूचना दे दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भर कर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था । निर्यातकों को भेजे गए पत्र,

याचिका और प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको चीन जन० गण० के ज्ञात निर्यातकों और उत्पादकों की सूची के साथ भेजी गई थी ।

(x) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में 2एमएनआई के निम्नलिखित आयातकों को भी प्रश्नावली भेजी गई थी ;

1. मै० हैरेन ड्रग्स एंड फार्मास्यूटीकल्स, हैदराबाद
2. मै० मिथिला ड्रग्स लैबोरेट्रीज, उदयपुर
3. मै० न्यू जैनेरिक ड्रग हाऊस लि०, वल्साड़
4. मै० पवित्र कैमिकल्स प्रा० लि०, मुम्बई
5. मै० स्टारट्रोनिक्स फार्माकैम प्रा० लि, अंकलेश्वर
6. मै० ऊनीड्रग्स इन्नोवेटिव फार्मा टेक लि०, इंदौर

(xi) क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जो प्रस्तुत कर दी गई थी ;

(xii) प्राधिकारी ने, अपने पास सार्वजनिक फाइल के रूप में रखे गए विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा ;

(xiii) प्राधिकारी ने सभी संबंधित पार्टियों से जांच के लिए आवश्यक सूचना मांगी ।

(xiv) प्राधिकारी ने सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर लागत जांच भी की (प्राप्त सूचना के आधार पर) और इष्टतम उत्पादन लागत/भारत में इसे बनाने और बेचने की लागत की गणना की ।

(xv) जांच में 1 अप्रैल, 2000 से 31 दिसम्बर, 2000 (9 महीने) की अवधि शामिल है ;

(xvi) ***** यह चिह्न इस अधिसूचना में एक हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा ही माने जाने का द्योतक है ;

ख. याचिकाकर्ताओं के विचार

2.0 याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि 2एमएनआई जो मेट्रोनिडाजोल के उत्पादन में एक मध्यवर्ती उत्पाद है, के लिए बाजार पहले काफी अनुकूल था। मेट्रोनिडाजोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से चीन के निर्यातकों ने इस उत्पाद का भारत में पाटन करना शुरू कर दिया है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप 2 एमएनआई की कीमतों में कमी आई है। इस उद्योग की बिक्री में काफी कमी आई है और आयातों से 2 एमएनआई के भारतीय उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है।

2.1 याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा है कि घरेलू उद्योग के लाभों में काफी कमी आई है।

ग. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

3.0 चीन जनवादी गणराज्य के किसी निर्यातक से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

आयातक

3.1 मैसर्स यूनीड्रग्स इन्नोवेटिव्स फार्मा टेक्नोलॉजी लि०

आयातकों ने कहा है कि उन्होंने मैसर्स आरती ड्रग्स लि०, मुंबई और यूनीकेम लेबोरेटरीज, मुंबई से 2एमएनआई की नियमित खरीद की है। आयातकों ने कहा है कि पाटनरोधी शुल्क के लगाने से घरेलू उद्योग 2एमएनआई की कीमतें बढ़ाने के लिए स्वतंत्र होगा जिससे प्रतिस्पर्धा की वजह से लघु एककों पर प्रभाव पड़ेगा।

3.2 टिनिडाजोल के विनिर्माता होने के नाते, जिसमें 300 व्यक्ति कार्यरत हैं और जो प्रत्यक्ष रूप से कंपनी पर निर्भर हैं, यदि 2 एमएनआई पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इससे घरेलू उद्योग का इस उत्पाद पर एकाधिकार हो जाएगा और वह 2एमएनआई की कीमतों में वृद्धि करेगा।

न्यू जेनेरिक ड्रग हाऊस लि०, मुम्बई

3.3 आयातकों से निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की है। उन्होंने अनुरोध किया है कि सम्पूर्ण मामले पर विचार समुचित परिप्रेक्ष्य में किया जाए और संदर्भाधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए।

घ. उठाए गए मुद्दों की जांच:

4.0 निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है और उचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है।

ड. विद्याराधीन उत्पाद

5.0 इस याचिका में शामिल उत्पाद चीन जनवादी गणराज्य के मूल का अथवा वहां से निर्यातित 2एमएनआई है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 2933.39 के तहत और भारतीय व्यापार वर्गीकरण के अनुसार सं० 29.33.3909 पर वर्गीकृत है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और वर्तमान जांच पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। 2एमएनआई क्रीमिश रंगीन पाउडर है। इसका इस्तेमाल मैट्रोनिडाजोल, टिनिडाजोल, डिमिट्राइडाजोल, आर्निडाजोल, सिनाइडाजोल के उत्पादन के लिए एक मध्यवर्ती उत्पाद के रूप में किया जाता है। यह जल में कम घुलनशील और अम्ल या अल्कली के जलीय घोल में घुलनशील होता है, जिसमें एन.एन. डिमेथाइल फार्मेमाइड का 10वां भाग घुलनशील होता है।

च. समान वस्तु

6.1 समान वस्तु की परिभाषा निम्नानुसार है:-

समान उत्पाद का अर्थ उस उत्पाद से है जो जांच की जा रही उस वस्तु से हर दृष्टि में एक रूप हो अथवा समान हो जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है अथवा ऐसे उत्पाद के अभाव में आय उत्पाद जो हालांकि हर दृष्टि से समान नहीं हैं लेकिन जांच की जा रही वस्तु से मिलते-जुलते सभी गुण उसमें मौजूद हैं ।

6.2 याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पाद वस्तु संबद्ध देशों में उत्पादित, वहां के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान है । इसके विपरीत कोई तर्क नहीं दिया गया है।

6.3 पूर्वोक्त के आलोक में, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित 2 एमएनआई चीन जनवादी गणराज्य से आयातित-2एमएनआई के समान वस्तु है ।

छ. घरेलू उद्योग

7.1 यह याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स आरती ड्रग्स लि. मुंबई और मैसर्स यूनीकैम लेबोरेटरीज लि०, मुंबई द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान उनका उत्पादन लगभग 100 % बनता है क्योंकि मैसर्स आरे ड्रग्स, मुंबई, मैसर्स यूनीकैमिक्ल्स, मुंबई और मैसर्स एडवेंट फार्मा लि०, मुंबई, जो 2 एमएनआई के कैप्टिव उत्पादक हैं, और उन्होंने दावा किया है कि इन तीनों कंपनियों द्वारा किया गया उत्पादन घरेलू उद्योग का आधार एवं क्षेत्र के निर्धारण के लिए पात्र उत्पादन नहीं बनेगा और इसीलिए उनके पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार है और वे उपरोक्त नियमों के तहत घरेलू उद्योग हैं ।

7.2 उपरोक्त बातों के मद्देनजर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ता के पास नियमों के तहत घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार है ।

ज. पाटन

8.0 धारा 9(क)(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) 'समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार के रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या

(ii) जब सामान्य व्यापार के रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती हो, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा ;

(क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए:या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत ; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल वाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

सामान्य मूल्य:

8.1 याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि वे चीन जनवादी गणराज्य में 2एमएनआई की घरेलू कीमत अथवा निर्यातकों द्वारा चाहे उनके घरेलू बाजार में बिक्री करने के लिए या भारत को छोड़कर अन्य देशों को निर्यात करने के लिए कीमत सूची के बारे में कोई उचित एवं प्रमाणिक साक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ रहे हैं।

8.2 याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि सामान्य मूल्य आकलित लागत पर आधारित हो सकता है।

8.3 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य के किसी निर्यातक ने इस जांच का जवाब नहीं दिया है। इन परिस्थितियों में सामान्य मूल्य का आकलन बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों तथा एक उचित लाभ-मार्जिन के लिए उचित समायोजन करते हुए संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के अनुमानों और रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर किया गया है। तदनुसार सामान्य मूल्य *** अमरीकी डालर प्रति किग्रा0 बैठता है।

निर्यात कीमत

8.4 याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि भारत में 2 एमएनआई के आयातों की मात्रा एवं मूल्य के निर्धारण के लिए डीजीसीआईएण्डएस द्वारा प्रकाशित सूचनाओं पर विश्वास नहीं किया जा सकता है क्योंकि उस उत्पाद के वर्गीकरण में इसका वर्णन अन्य के रूप में हैं और इसमें अनेक अन्य उत्पादों के आयात शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने विस्तृत विवरण पत्र के आधार पर बम्बई सीमाशुल्क के आयात आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ताओं ने उतराई प्रभार, समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन और निर्यात के देश में अंतर्राज्यीय परिवहन, पत्तन पर रख-रखाव संबंधी प्रभार के लिए समायोजनों का दावा किया है।

8.5 , प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातक (अनुमानतः एक प्रमुख आयातक) द्वारा प्रस्तुत सूचना याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आयात संबंधी आंकड़ों के लगभग समान है। इस प्रकार प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार समायोजनों के साथ आयातक के दावों पर विश्वास किया है और तदनुसार निर्यात कीमत *** डालर प्रति किग्रा0 की निर्यात कीमत निर्धारित की है।

पाटन मार्जिन

8.6 तुलना से संबंधित नियमों में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना के लिए निम्नानुसार व्यवस्था है:-

* पाटनमार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारस्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल है बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।

8.7 सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करने पर, पाटन मार्जिन निम्नानुसार बैठता है:-

अमरीकी डालर प्रति किग्रा

सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन	54.4 %

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना और प्राधिकारी के पास उपलब्ध अन्य प्रकाशित सूचना को ध्यान में रखा है। उपरोक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत कारखाना द्वार स्तर पर है।

झ. क्षति

9.0 उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के अंतर्गत जब क्षति के बारे में निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष मेंपाटित आयातों को मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में मूल्यों पर उनका प्रभाव, ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामकारी प्रभावों समेत सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए है घरेलू उद्योग को हुई क्षति को निर्धारण शामिल होगा। मूल्यों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय

इस बात को जांच करनी आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों से मूल्यों में पर्याप्त गिरावट आई है अथवा क्या अन्यथा ऐसे आयातों का उद्देश्य मूल्यों को काफी हद तक स्थिर रखना अथवा मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती;

9.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा एवं पाटन मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित सीमा से अधिक है।

9.2 उत्पादन:- याचिकाकर्त्ताओं का उत्पादन निम्नानुसार रहा है:-

किग्रा में	1998-99	1999-2000	जांच अवधि	वार्षिक(जांच अवधि)
घरेलू उद्योग उत्पादन	1542594	1739447	1130809	1507745

उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्त्ताओं के उत्पादन में 1999-00 तक वृद्धि हो रही थी। तथापि, चालू वर्ष में उत्पादन में इस अवधि में हुई काफी कम बिक्रियों के कारण पर्याप्त गिरावट आई है। यह आरोप लगाया गया है कि 1999-2000 तक, 2 एम एन आई का मुश्किल से ही कोई आयात हुआ था। तथापि, मेट्रोनिडाजोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण निर्यातकों ने भारत में 2 एम एन आई का पाटन करना शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आई है। और इसलिए घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

9.3 बिक्री की मात्रा

याचिकाकर्त्ताओं की बिक्रियों में 1998-99 की तुलना में 1999-2000 में 4.48% की वृद्धि हुई थी और जांच अवधि के दौरान 3.03% की गिरावट आई। 1999-2000 तक 2 एम एन आई का कोई आयात नहीं हुआ था और उद्योग बाजार मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप अपनी बिक्रियों को बढ़ाने में सक्षम हुआ था। मेट्रोनिडाजोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चाति निर्यातकों ने भारतीय बाजार के लिए अपनी कीमतों को कम कर दिया था, (जिसके कारण भारत में 2 एम एन आई का पाटन किया गया था), जिससे घरेलू उद्योग की बिक्रियों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। वस्तुतः घरेलू उद्योग पर्याप्त बाजार पहले ही खो चुका है।

9.4 बिक्रियों की मात्रा, गिक्री कीमत और कीमत में कटौती

जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की माह-वार बिक्री कीमतों में कमी आई है । इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग द्वारा बेची गई मात्रा में भारी गिरावट आई है, जैसाकि नीचे सारणी से देखा जा सकता है:-

अवधि	बिक्री कीमत रु./किग्रा	बिक्री मात्रा किग्रा में
अप्रैल 2000	100.00	100.00
मई 2000	100.64	74.59
जून, 2000	98.25	78.10
जुलाई 2000	93.63	85.45
अगस्त, 2000	86.15	49.63
सितम्बर 2000	83.39	49.60
अक्तूबर 2000	75.99	28.66

टिप्पणी: सूचकांकित आकड़ों को अप्रैल 2000 में 100 माना गया है ।

बिक्री कीमतों में कमी जो चीन जनवादी गणराज्य की आयात कीमत से भी कम थी और बाद में बिक्री मात्रा में आई कमी ने घरेलू उद्योग को अगस्त, 2000 के पश्चात कीमतों को कम करने के लिए बाध्य किया था । इसके परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग द्वारा अपना स्टॉक खत्म करने के लिए कम कीमत पर बेची गई मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई थी जिसे नीचे सारणी से देखा जा सकता है:-

अवधि	बिक्री कीमत (रु./किग्रा.)	बिक्री मात्रा किग्रा. में
अक्तूबर, 2000	75.99	28.66
नवम्बर, 2000	75.62	84.24
दिसम्बर, 2000	76.12	170.85

टिप्पणी: सूचकांकित आकड़ों को अप्रैल 2000 में 100 माना गया है ।

9.5 दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों की बिक्रियों का विश्लेषण करने से यह पता चलेगा कि यद्यपि एक कंपनी ने कीमतें कम कर बाजार को पुनः प्राप्त कर लिया तथापि दूसरी ने कीमतों में कमी नहीं की जिससे इसकी बिक्री मात्रा में अत्यधिक गिरावट आई। इस प्रकार कीमतों तथा बेची गई मात्रा में सीधा सह संबंध है। इसके अलावा, बाजार में इस उत्पाद के बहुत अधिक आपूर्तिकर्ता नहीं हैं। वास्तव में, चीन अकेला निर्यातक देश है। इस प्रकार आयातों में वृद्धि तथा घरेलू उद्योग की कीमतों तथा मात्रा में कमी के बीच सीधा सह संबंध है।

9.6 गँवाए गए अनुबंध

याचिकाकर्ताओं ने उल्लेख किया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा से उद्योग ने बिक्री गँवायी है। कीमतों में कमी के बावजूद, उन्होंने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग पहले ही पर्याप्त बाजार खो चुका है।

9.7 रोजगार का स्तर

दोनों याचिकाकर्ता कंपनियां बहुउत्पाद कंपनियां हैं और वे विभिन्न उत्पादों के उत्पादन में लगी हुई हैं। अतः उद्योग के रोजगार स्तर में खराब प्रचालन स्तर के कारण कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है।

9.8 लाभप्रदता

घरेलू उद्योग के लाभों में बहुत अधिक कमी आई है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत उत्पादन की इकाई लागत, बिक्री कीमत और लाभ तथा हानि के बारे में सूचना संबंधी साक्ष्य से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, उसकी बिक्री कीमत में गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग लाभ की स्थिति से घाटे की स्थिति में आ गया है।

9.9 क्षति के संबंध में निष्कर्ष

निम्नलिखित मापदंडों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चलता है:

- वर्ष 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में गिरावट;
- वर्ष 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा में गिरावट;
- वर्ष 1998-99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत में कमी आई है;

- घरेलू उद्योग ने आयातों के कारण बिक्री गँवाई हैं;
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई;

9.10 उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य के मूल के 2 एम एन आई के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

मि. कारणात्मक संबंध: यह अनुरोध किया गया है कि:

- 10.1 समूचे आयात केवल चीन से हुए हैं । अन्य देशों से संबद्ध उत्पाद का कोई ज्ञात आयात नहीं हुआ है । इस प्रकार अन्य देशों से हुए आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंच सकती ।
- 10.2 संबद्ध उत्पाद की मांग में गिरावट नहीं आई है जैसा कि घरेलू उत्पादकों के बड़े हुए उत्पादन से स्पष्ट होता है ।
- 10.3 उद्योग में कोई प्रौद्योगिकीय विकास नहीं हुआ है अथवा ऐसा कोई अन्य कारक नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है । संबद्ध उत्पाद के आयात मैट्रोनिडाजोल पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण शुरू हुए हैं । चीन के उत्पादकों ने कीमतें घटा दी हैं और उपभोक्ताओं को अब सस्ता मध्यवर्ती उत्पाद प्राप्त हो गया है ।
- 10.4 उत्पादन लागत में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी आई है । उद्योग को लाभ की स्थिति से घाटे की स्थिति में पहुंचा दिया गया है ।
- 10.5 जुलाई, 2000 तक चीन से हुए आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रहा था जिससे कीमत में कटौती हुई । इससे घरेलू उद्योग द्वारा अपने स्टॉक के निपटान के लिए कम कीमत पर बेची गई मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- 10.6 उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

ट. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

11.0 पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य आमतौर पर उस पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है और भारतीय बाजार में एक खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में है।

11.1 यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेंगा और इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार प्रतिवर्धित नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

11.2 घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए 2एमएनआई की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया।

12.0 निष्कर्ष

उपरोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 एम एन आई का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया जिसके कारण क्षति हुई है;
- भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण क्षति हुई है;

12.1 यह आवश्यक समझा गया है कि अंतिम निर्धारण होने तक चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 एम एन आई के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए;

13.0 तदनुसार प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने का निर्णय लिया, जिसे यदि लगाया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी (यथासंशोधित उपरोक्त नियम 4 का खंड (घ))। तदनुसार यह प्रस्ताव है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2933.39.09 के अंतर्गत आने वाले चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 2 एम एन आई के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित 2एमएनआई के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नीचे कालम 3 में उल्लिखित राशि और अमरीकी डालर प्रति किग्रा० आयातों के पहुंच मूल्य के बीच का अंतर होगा और यह इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से लागू होगा।

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (अमरीकी डालर/किग्रा)
1	2	3
चीन जनवादी गणराज्य	सभी निर्यातक	4.79

14.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम

1975 की धारा 3,3क 8ख तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी प्रकार के सीमा शुल्क शामिल होंगे ।

15.0 प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य संबंधित ज्ञात पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है ।

ड. आगे की प्रक्रिया

16.0 प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

17.0 प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम निष्कर्षों में विचार किया जाएगा ।

18.0 प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य संबंधित ज्ञात पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है ।

19.0 प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन करेंगे ।

20.0 प्राधिकारी द्वारा अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का खुलासा किया जाएगा ।

एल. बी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)****PRELIMINARY FINDINGS NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd May, 2001

**Subject :—Anti-dumping investigation concerning imports of 2 MNI from China
PR—Preliminary Findings.**

No. 9/1/2001-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. thereof:

A. PROCEDURE

1.The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s.Aarti Drugs Limited, Mumbai and M/s Unichem Laboratories limited, Mumbai have filed a petition on behalf of the domestic industry, alleging dumping of 2 MNI originating in or exported from China PR.
- ii. The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Petitioner, decided to initiate investigations against imports of 2 MNI from China PR. The Authority notified the Embassy of China in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- iii. The Authority issued a public notice dated 8th February, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of 2 MNI, classified under heading 2933.39 09 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No.2933.3909 under Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from China PR. The classification is, however indicative only and in no way binding on the present investigations;
- iv. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the

petitioner) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with the rule 6(2);

- v. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of 2 MNI in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi. Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of 2 MNI for the past three years, including the period of investigation.
- vii. The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of China PR in India in accordance with rules 6(3) supra;
- viii. The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following known exporters, in accordance with the rule 6(4);
 - 1. M/s. Huanggang Hongye Medical & Chemical Industry Co.Ltd., China
- ix. The Embassy of China PR in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/ producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to them, alongwith the list of known exporters and producer from China PR.
- x. The questionnaire was also sent to the following importers of 2 MNI in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4);

- 1.M/s. Herren Drugs & Pharmaceuticals,Hyderabad
- 2.M/s. Mithila Drugs Laboratories, Udaipur
- 3. M/s. New Generic Drug House Ltd., Valsad.
- 4. M/s.Pavitra Chemicals P.Ltd.,Mumbai
- 5. M/s. Startronic Pharmachem P.Ltd.,Ankleshwar
- 6.M/s.Unidrugs Innovative Pharma Tech.Ltd.,,Indore

- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. The Authority sought information from all parties concerned, deemed necessary for the investigation.
- xiv. The Authority also conducted cost investigation (based on the information received) and worked out optimum cost of production / cost to make and sell in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles.
- xv. The investigations covered the period of 1st April, 2000 to 31st December, 2000 (9 months);
- xvi. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

B Petitioner's Views

- 2.0 Petitioners have stated that market for 2-MNI; an intermediate in the production of Metronidazole was quite favourable earlier. With the imposition of anti-dumping duty on Metrinidazole , the exporters from China have started dumping this product into India. This has directly resulted in reduction of prices of 2-MNI. The industry has lost substantial sales and the imports are causing severe injury to the Indian producers of 2 MNI.
- 2.1 The petitioners have also stated that profits of the domestic industry have significantly eroded.

C Views of Exporters, Importers and other interested parties: Exporters:

- 3.0 There has been no response from any of the exporters from China PR.

IMPORTERS

3.1 M/s. Unidrug Innovatives Pharma Technology Ltd.

Importers have stated that they have regularly purchased 2-MNI from M/s. Aarti Drugs Ltd. Mumbai and Unichem Laboratories, Mumbai. The importers have stated that, with the imposition of anti-dumping duty, the domestic industry will be free to raise the prices of 2-MNI, which would affect the small units due to competition.

- 3.2 Being manufacturers of Tinidazole employing the 300 persons directly dependent on the company, if anti-dumping duty is imposed on 2-MNI, it would tend the domestic industry to have a monopoly on the product and raise the prices of 2-MNI.

New Generic Drug House Ltd., Mumbai:

- 3.3 The importers have furnished information in the prescribed format. They have requested that the whole matter be considered in the proper perspective and not to levy any anti-dumping duty on the imports of the product in question.

D Examination of issues raised:

- 4.0 The submissions made by the exporters, importers petitioners and other interested parties have been examined, considered and have been dealt with at appropriate places therein.

E Product under consideration:

- 5.0 The product involved in the present investigation is 2 MNI originating in or exported from China PR. The product is classified under Customs Tariff heading 2933.39 and at

no.2933.39 09 as per Indian Trade Classification. The classification is however, indicative only and in no way binding on present investigation. 2 MNI is a creamish coloured powder. It is used as a Drug Intermediate for production of Metronidazole, Tinidazole, Dimetridazole, Ornidazole, Scenidazole. It is sparingly soluble in water and soluble in aqueous solution of acid or alkali soluble in 10 parts of N-N Dimethyl Formamide.

F Like Article:

6.1 Definition of Like Article states as under:

"Like Article means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

6.2 The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods produced, originating in or exported from the subject country. There is no arguments to the contrary.

6.3 In light of the foregoing, Authority concludes that 2 MNI produced by the petitioner is a Like Article to the 2 MNI imported from China PR.

G Domestic Industry:

7.1 The petition has been filed by M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai, and M/s. Unichem Laboratories Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry. The petitioners have claimed that it accounts for almost 100% of the production during the period of investigation as M/s. Aarey Drugs, Mumbai, M/s. Unique Chemicals, Mumbai and M/s. Advent Pharma Ltd., Mumbai who are captive producers of the 2 MNI and have claimed that the production by these three companies would not form part of

eligible production for determination of standing and scope of the domestic industry and, therefore, has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry and constitute domestic industry, under the aforesaid Rules.

7.2 In light of the foregoing, the Authority concludes that the petitioner has the standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the rules.

H Dumping:

8.0 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin".

Normal Value:

- 8.1 Petitioners have stated that they have not been able to get any reasonable and authentic evidences with regard to domestic prices of 2 MNI in China PR or price list of exporters either for selling in their domestic market or for export to other countries other than India.
- 8.2 The petitioners have requested that the normal value may be based on constructed cost.
- 8.3 Authority notes that no exporter from China PR have responded to this investigation. In the circumstances, the normal value has been constructed on the basis of estimates of cost of production of subject goods duly adjusted to include selling, general and administrative expanses and a reasonable profit margin and best available information on record. The normal value accordingly arrive at US\$ *** per Kg.

Export Price:

- 8.4 The petitioners have stated that the information published by DGCI&S cannot be relied upon and for the determination of volume and value of imports of 2 MNI to India, since the classification of the product is described as others and includes imports of number of 'other' products. The petitioners have furnished import statistics from the Bombay Customs based on detailed statement. The petitioners have claimed adjustments towards landing charges, ocean freight, marine insurance, commission, and inland transportation in the country of export, port-handling charges.

- 8.5 Authority notes that the information furnished by the importer (presumably only major importer) is almost in conformity with the import data furnished by the petitioner. Hence, Authority relies upon the importer claims with adjustments as claimed by the petitioner and accordingly determines the export price at US \$ *** per KG

Dumping Margin:

- 8.6 The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price as follows:

“While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability including in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability”.

- 8.7 Comparing the normal value and export price, the dumping margin works out as under:-

	US \$ per Kg
Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	***
Dumping Margin %	54.4%

For the purpose of fair comparison between normal value and export price the Authority took into account the information

furnished by the petitioner and other published information available with the Authority. The normal value and export prices determined as detailed above are at ex-works level.

I Injury:

9.0 Under Rule 11 supra, Annexure-II, When a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree;

9.1 The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject country are more than the limits prescribed under the Rule.

9.2 Production:- Production of petitioners has been as under:

In Kg.	1998-99	1999-2000	POI	Annualised (POI)
Domestic Industry Production	1542594	1739447	1130809	1507745

It is evident from the above that the production of petitioners which was increasing till 1999-00. However, the production has declined significantly in the current year due to much lower sales in that period. It has been alleged that till 1999-2000, there were hardly any imports of 2 MNI. However, with the

imposition of Anti Dumping Duty on Metronidazole, the exporters have started dumping 2 MNI in India, which has resulted in decline in loss of sales for the domestic industry and hence decline in production and capacity utilization of domestic industry.

9.3 Sales Volume:

The sales of petitioners increased by 4.48% during 1999-2000 over 1998-99 and declined by 3.03% during Period of investigation. Till 1999-2000, there were no imports of 2 MNI and the industry was able to increase its sales as a result of increase in market demand. After imposition of Anti-dumping Duty on Metronidazole, the exporters reduced their price for the Indian market (resulting in dumping 2 MNI in India), which has directly affected the sales of the domestic industry. In fact, the domestic industry has already lost substantial market.

9.4 Sales Volume, Selling Price and Price Undercutting:

The month-wise selling prices of domestic industry show that the selling price have declined during the period of investigation. Yet Authority observes a steep decline in the volume sold by the domestic industry, as would be seen the table below:

Period	Selling Price Rs. Per KG	Sales Volume In KG
April 2000	100.00	100.00
May 2000	100.64	74.59
June 2000	98.25	78.10
July 2000	93.63	85.45
August 2000	86.15	49.63
September, 2000	83.39	49.60
October 2000	75.99	28.66

Note: Indexed figures considering April 2000 as 100

The reduction in the selling prices, even below than the import price from China PR and consequent decline in the sales volumes forced the domestic industry to reduce the prices after August, 2000. This resulted in significant increase in the volumes sold at a low price by the domestic industry to liquidate their stock, as would be seen from the table below.

Period	Selling Price Rs. Per KG	Sales Volume In KG
October, 2000	75.99	28.66
November, 2000	75.62	84.24
December, 2000	76.12	170.85

Note : Indexed figures considering April 2000 as 100

- 9.5 Analysis of sales of the two petitioner companies would reveal that while one company chose to reduce the prices and regained the market, the other refrained from reducing the prices, which resulted in steep reduction in its sales volumes. Thus, there is a direct correlation between the prices and volumes sold. Further, there are not many suppliers of this product in the market. In fact, China is the sole exporting country. Thus, there is direct correlation between the increase in imports and reduction in prices and volumes by the domestic industry.
- 9.6 Lost contract: Petitioners have stated that the volume of dumped imports from the subject country is the loss of sales by the industry. In spite of reducing prices, they have submitted that the domestic industry has already lost substantial market.
- 9.7 Employment level: Both the petitioner companies are multi product companies and are involved in production of various products. Therefore, there is no significant change in employment level of the domestic industry due to poor operating levels.

9.8 Profitability: The profits of the domestic industry have been very significantly eroded. It is evident from the information on unit cost of production, selling price & profit and loss provided by the domestic industry it is observed that the cost of production of the domestic industry has increased, its selling price has declined, resulting in losses to the domestic industry from a situation of profits.

9.9 Conclusion on Injury:

The following parameter show injury to the domestic industry:

- Decline in production and capacity utilisation during POI compared to the year 1999-2000;
- Decline in sales volume during the POI compared to year 1999-2000;
- Selling price of subject goods in domestic market has declined during the POI compared to the year 1998-99;
- Domestic Industry has lost sales due to imports;
- Profitability of the domestic industry have significantly eroded;

9.10 The Authority, after considering the above, concludes the domestic industry has suffered material injury from the imports of 2 MNI originating from China PR;

J Causal Link: It has been submitted that:

10.1 The entire imports are from China only. There are no known imports of the subject product from other countries. The imports from other countries could not have thus caused any injury to the domestic industry.

- 10.2 The demand of the subject product has not declined, as is evident from the increasing production of the domestic producers.
- 10.3 There is no technological development in the industry or any other such factor, which could have resulted in injury to the domestic industry. The imports of the subject product have started with the imposition of anti-dumping duty on Metronidazole. The producers from China have reduced the prices and the consumers have now found intermediate cheaper.
- 10.4 The selling price of domestic industry has declined in spite of increase in the cost of production. The industry has been turned into a situation of losses from a situation of profits.
- 10.5 The landed price of imports from China was below the selling price of the domestic industry upto July, 2000, resulting in price undercutting. This also resulted in significant increase in the volumes sold at a low price by the domestic industry to liquidate their stock.
- 10.6 In view of the above, Authority notes that the injury to domestic industry has been caused by the dumped imports.

K Indian Industry's Interest and other issues:

- 11.0 The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which causing injury to the domestic industry and to reestablish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
- 11.1 It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, imposition

of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

11.2 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling price of 2 MNI in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry.

12.0 CONCLUSIONS:

The Authority, after considering the foregoing, concludes that:-

- 2 MNI originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- The Indian industry has suffered material injury;
- Injury has been caused by imports from the subject country;

12.1 It is considered necessary to impose anti dumping duty provisionally pending final determination on all imports of 2 MNI originating in or exporting from China PR;

13.0 Accordingly, Authority considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry

(clause (d) Rule 4 supra as amended). Accordingly, it is proposed that provisional anti-dumping duties be imposed, on 2 MNI originating in or exported from China PR falling under Customs sub-heading 2933.39.09 of the Customs Tariff Act, pending final determination. The Anti-dumping Duty shall be the difference between the amounts mentioned in column 3 below and the landed value of imports in US \$ per Kg, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of 2 MNI originating in or exported from subject country falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, pending final determination.

Country	Name of the producer/ Exporters	Amount of duty (US \$ /Kg)
1	2	3
China PR	All Exporters	4.79

14.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

15.0 Exporters, importers, petitioners and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.

M FURTHER PROCEDURE:

- 16.0 The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-
- 17.0 The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- 18.0 Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- 19.0 The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- 20.0 The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority